**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

# मध्य एशियाई राज्यों पर अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आर्थिक प्रभाव

[1] Mukesh Kumar, [2] Dr. Dinesh Mandot, [3] Dr. Nand Kishor Somani
[1] Research Scholar, (Pol. Sc.),
[2 & 3] Research Guide ,Bhagwant University Ajmer, Rajasthan, India
Email Id: mukeshkumardeva5563@gmail.com

Pol.Sc.-Res.Paper-Accepted Dt. 15Jan. 2024 **Pub** : Dt. 28 Feb. 2024

## सारांश

इस शोध प्रपत्र में मैंने विषय ''मध्य एशियाई राज्यों पर अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आर्थिक प्रभाव'' का यथासभंव वर्णन किया है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी मध्य एशिया के प्रति अमेरिकी नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जिससे एक शक्ति शून्यता पैदा हो रही है जो इस क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दे सकती है। अमेरिका, जिसने 2000 के दशक की शुरुआत से इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी थी, अब अपनी भागीदारी को कम कर रहा है, जिससे रूस और चीन जैसे अन्य क्षेत्रीय खिलाड़ी इस शून्य को भर सकें। वापसी से पहले ही इस क्षेत्र में अमेरिकी निवेश में उल्लेखनीय गिरावट आई है और रूसी और चीनी प्रभाव बढ़ने की संभावना चिंता का विषय है। मध्य एशियाई देशों पर वापसी का आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण है, जिसमें अमेरिकी निवेश में गिरावट, आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता में वृद्धि, व्यापार और आर्थिक संबंधों में व्यवधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर प्रभाव शामिल है। मध्य एशियाई राज्य कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिनमें सुरक्षा संबंधी चिंताएँ, व्यापार मार्गों में व्यवधान, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक और बुनियादी ढाँचे पर दबाव और भू–राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। तालिबान का फिर से उभरना और चरमपंथ का संभावित प्रसार मध्य एशिया में सुरक्षा वातावरण के लिए एक सीधा खतरा है, जबकि व्यापार मार्गों में व्यवधान और अफगानिस्तान पर आर्थिक निर्भरता का क्षेत्रीय व्यापार की मात्रा और आर्थिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अफगान शरणार्थी और आंतरिक रूप से विस्थापित लोग मध्य एशियाई सामाजिक सेवाओं और बुनियादी ढांचे पर बोझ डाल रहे हैं, जबकि भू–राजनीतिक अस्थिरता ने उन्हें अपनी विदेश नीति का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है।

शब्दकुंजी–राजनीतिक अस्थिरता, मध्य एशियाई, व्यवधान, आर्थिक निर्भरता, पुनर्मूल्यांकन और संरेखण आदि।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

## प्रस्तावना

मध्य एशिया के प्रति संयुक्त राज्य अमेरिका की रणनीति में एक बड़ा बदलाव आया है, जो पारंपरिक रूप से महाशक्तियों का मुख्य केंद्र रहा है, यह बदलाव अफगानिस्तान से संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के जाने के परिणामस्वरूप हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 2000 के दशक की शुरुआत से इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए हुए था, अब अपनी प्रतिबद्धता कम कर रहा है। इससे एक शक्ति शून्यता पैदा हो रही है जिसे रूस और चीन जैसे अन्य क्षेत्रीय देशों द्वारा भरा जा सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका इस वापसी को एक हार के रूप में देखता है, न कि एक विघटन के रूप में, और यह क्षेत्र में अमेरिकी रुचि के कम होने की प्रवृत्ति का हिस्सा है। यह पैटर्न 2005 में उज्बेकिस्तान से अमेरिकी सेना को हटाने के साथ शुरू हुआ, और बाद में किर्गिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को निकासी के साथ जारी रहा। उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान स्वतंत्र राष्ट्रों के उदाहरण हैं जो सोवियत संघ के पतन के बाद बने। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का इरादा क्षेत्र में रूस और चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए इन राज्यों की संप्रभुता का समर्थन करना था। इस तथ्य के कारण कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस बुला रहा है, यह काफी संभावना है कि इस क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का अनुभव होगा। क्षेत्र में अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका को अलग–अलग देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर निर्भर रहना होगा।

## अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी और मध्य एशिया के लिए इसका महत्व

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी मध्य एशिया के प्रति अमेरिकी नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, एक ऐसा क्षेत्र जो ऐतिहासिक रूप से महाशक्तियों का प्राथमिक केंद्र रहा है। अमेरिका, जिसने 2000 के दशक की शुरुआत से इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी थी, अब अपनी भागीदारी को कम कर रहा है, जिससे एक शक्ति शून्यता पैदा हो रही है जिसे रूस और चीन जैसे अन्य क्षेत्रीय खिलाड़ियों द्वारा भरा

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जाने की संभावना है।15 अगस्त, 2021 को, तालिबान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में प्रवेश किया, जिसने देश पर इतनी तेजी से कब्जा कर लिया कि कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। इसने अफगानिस्तान में अमेरिका की 20 साल की सैन्य उपस्थिति का अंत कर दिया, जा 9/11 के हमलों के जवाब में 2001 में शुरू हुई थी। अमेरिका की वापसी फरवरी 2020 में तालिबान के साथ हस्ताक्षरित एक शांति समझौते का हिस्सा थी, जिसे दोहा समझौते के रूप में जाना जाता है, जिसने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए एक समयसीमा निर्धारित की थी।

समझौते के तहत, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 135 दिनों के भीतर अमेरिकी सैनिकों की संख्या को लगभग 8,500 तक कम करने और चौदह महीनों के भीतर पूरी तरह से वापसी करने का संकल्प लिया। हालांकि, तालिबान ने अफगान सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले फिर स शुरू कर दिए और अफगान सरकार और तालिबान के बीच सीधी बातचीत मार्च 2020 में शुरू होने के महीनों बाद शुरू हुई, लेकिन इसमें कई देरी हुई और अंततः इसमें बहुत कम प्रगति हुई।मध्य एशिया के लिए अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। इस क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का सामना करने की संभावना है और अमेरिका को इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए अलग–अलग देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर निर्भर रहना होगा। वापसी के कारण पहले ही इस क्षेत्र में अमेरिकी निवेश में उल्लेखनीय गिरावट आई है और रूसी और चीनी प्रभाव बढ़ने की संभावना चिंता का विषय है।संख्यात्मक आंकड़ों के अनुसार, 120,000 से अधिक अफगानों को दुनिया भर में एयरलिफ्ट किया गया और स्थानांतरित किया गया, जिनमें से लगभग 76,000 अगस्त 2022 तक संयुक्त राज्य अमेरिका पहुंचे। तालिबान के अधिग्रहण से अफगानिस्तान में उदार और लोकतांत्रिक अधिकारों और स्वतंत्रता में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है, लड़कियों को एक बार फिर माध्यमिक विद्यालयों में जाने से रोक दिया गया है, महिलाओं को लंबी दूरी की यात्रा करते समय पुरुष–रिश्तेदार साथी की आवश्यकता है और संगीत पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच के अनुसार, तालिबान ने सत्ता में आने के अपने पहले छह महीनों

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

में ही लगभग पांच सौ पूर्व सरकारी अधिकारियों और अफगान सुरक्षा बलों के सदस्यों की हत्या कर दी है या उन्हें जबरन गायब कर दिया ळें

## मध्य एशियाई देशों पर अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आर्थिक प्रभाव

मध्य एशियाई देशों पर अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आर्थिक प्रभाव एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी से नए सुरक्षा खतरे पैदा हो सकते हैं, लेकिन इसके आर्थिक परिणाम भी होंगे। अफगानिस्तान में राजनीतिक स्थिति के बिगड़ने और सुरक्षा के बिगड़ने के साथ–साथ अस्थिरता के विस्तार की आशंका एक बड़ी क्षेत्रीय चिंता का विषय है।

अफगान सरकार के अंदर हित समूहों और राजनीतिक गुटों के बीच सत्ता संघर्ष, साथ ही तालिबान की बढ़ती ताकत, अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा सुरक्षित शक्ति संतुलन को बदलने की निश्चित क्षमता रखती है। यह बदले में, अपने स्वयं के भू–राजनीतिक या भू–आर्थिक हितों की खोज में शून्य को भरने की कोशिश करने वाले बाहरी खिलाड़ियों को गति दे सकता है। अफगानिस्तान से उनकी निकटता को देखते हुए, मध्य एशिया के देशों के लिए अमेरिकी सैनिकों की आधिकारिक वापसी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, और इससे कई रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

मध्य एशिया के लिए अमेरिकी वापसी के परिणामों का विश्लेषण करने में आर्थिक पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार के कमजोर होने और कट्टरपंथी समूहों के प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की संभावना से अफगानिस्तान का विकास दशकों पीछे चला जाएगा और नई समस्याएं पैदा होंगी, जिन्हें भविष्य में विश्व समुदाय के लिए हल करना बहुत मुश्किल होगा। मध्य एशिया के देशों के लिए, ऐसा परिदृश्य पहले से ही कई चुनौतियों को लेकर आता है। अफगानिस्तान में आंतरिक संघर्ष के गहराने से देश की उत्तरी सीमाओं पर नियंत्रण कमजोर हो सकता है। ताजिकिस्तान के लिए, इससे तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है। तुर्कमेनिस्तान को खनिज भंडार और अंतरराष्ट्रीय गैस पाइपलाइनों जैसी महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाओं के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करनी पड़ सकती है, जो न केवल इस क्षेत्र के लिए, बल्कि प्रमुख

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

बाहरी भागीदारों, मुख्य रूप से चीन और रूस, साथ ही दक्षिण एशियाई देशों के लिए भी रणनीतिक महत्व की हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगियों की मौजूदगी ने सशस्त्र समूहों के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2011 में अफगान अभियान के चरम पर, देश में 98,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक और लगभग 41,000 गठबंधन सैनिक तैनात थे। अफगानिस्तान के रक्षा बलों और आंतरिक मंत्रालय के 300,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने उनका समर्थन किया। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान, अफगानिस्तान में लगभग 120,000 निजी ठेकेदारों ने काम किया, जिनमें से लगभग 23,000 अमेरिकी निजी सैन्य ठेकेदारों (पीएमसी) के कर्मचारी थे, साथ ही अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ सहयोग करने वाले पीएमसी भी थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार, पुनर्निर्माण कार्यक्रमों को छोड़कर, अकेले सैन्य अभियान की कुल लागत $750 बिलियन से $1 ट्रिलियन तक थी।

इन ताकतों ने निस्संदेह कई चरमपंथी समूहों को मजबूत होने से रोका, जिनमें से दो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा हैं। मध्य एशियाई राज्यों पर अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण होगा, जिसमें अमेरिकी निवेश मे गिरावट, आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता में वृद्धि, व्यापार और आर्थिक संबंधों में व्यवधान और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं पर प्रभाव शामिल है।

## मध्य एशियाई राज्यों के सामने चुनौतियाँ

मध्य एशियाई राज्यों को कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके आर्थिक विकास और स्थिरता को प्रभावित करती हैं, खासकर अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद। इन चुनौतियों में शामिल हैं–

**1. सुरक्षा संबंधी चिंताएँ**– तालिबान का फिर से उभरना और चरमपंथ का संभावित फैलाव मध्य एशिया में सुरक्षा वातावरण के लिए सीधा खतरा है। उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे देश अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करते हैं, जिससे वे सीमा पार आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और शरणार्थियों की आमद के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इससे सीमा सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी उपायों पर अधिक खर्च करने की आवश्यकता होती है, जिससे संसाधन आर्थिक विकास से दूर हो जाते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

**2. व्यापार मार्गों में व्यवधान**– मध्य एशियाई देश पारंपरिक रूप से अफगानिस्तान का उपयोग दक्षिण एशिया और उससे आगे के बाजारों तक पहुँचने के लिए एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग के रूप में करते थे। अमेरिकी सैनिकों की वापसी ने इन व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है, जिससे माल का प्रवाह प्रभावित हुआ है, परिवहन लागत में वृद्धि हुई है और क्षेत्रीय व्यापार की मात्रा प्रभावित हुई है। उदाहरण के लिए, अफगानिस्तान के साथ व्यापार के लिए हेरातन बंदरगाह पर उज्बेकिस्तान की निर्भरता में काफी बाधा आई है, जिससे इसकी अर्थव्यवस्था और रसद नेटवर्क प्रभावित हुए हैं।

**3. आर्थिक निर्भरता**– कई मध्य एशियाई राज्यों ने ऊर्जा, व्यापार और श्रम प्रवास जैसे क्षेत्रों में अफगानिस्तान पर आर्थिक निर्भरता विकसित की है। उदाहरण के लिए, कजाकिस्तान ने अफगानिस्तान के ऊर्जा क्षेत्र और बुनियादी ढाँचे की परियोजनाओं में निवेश किया है, जो अब वापसी के बाद अस्थिरता के कारण अनिश्चितताओं और संभावित असफलताओं का सामना कर रहे हैं। ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान कई परिवारों की आय के स्रोत के रूप में अफगानिस्तान में श्रम प्रवास पर निर्भर हैं, और अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में व्यवधान इन देशों में वापस भेजे जाने वाले धन प्रवाह को प्रभावित कर सकता है।

**4. सामाजिक और बुनियादी ढाँचे पर दबाव**–अफगानिस्तान से शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की आमद मध्य एशियाई देशों में सामाजिक सेवाओं और बुनियादी ढाँचे पर अतिरिक्त दबाव डालती है। सरकारों को सामाजिक–आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए मानवीय आवश्यकताओं का प्रबंधन करना चाहिए, जिसके लिए पर्याप्त संसाधनों और समन्वय की आवश्यकता होती है।

**5. भू–राजनीतिक अनिश्चितता**– अमेरिकी सैनिकों की वापसी ने मध्य एशिया में भू–राजनीतिक अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिससे देशों को अपनी विदेश नीति रणनीतियों और संरेखण का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है। रूस, चीन और एससीओ जैसे क्षेत्रीय संगठनों सहित बाहरी शक्तियां, अमेरिका के हटने से उत्पन्न रणनीतिक शून्य को भरने का प्रयास कर रही हैं, जिससे क्षेत्रीय गतिशीलता और आर्थिक साझेदारी में संभावित रूप से बदलाव आ सकता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

## निश्कर्श

निष्कर्ष में, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी का मध्य एशिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस क्षेत्र को आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है, और अमेरिका को अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए अलग–अलग देशों क साथ द्विपक्षीय संबंधों पर निर्भर रहना होगा। वापसी से पहले ही अमेरिकी निवेश में गिरावट आई है और रूसी और चीनी प्रभाव बढ़ने की संभावना चिंता का विषय है। मध्य एशियाई राज्य कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिनमें सुरक्षा संबंधी चिंताएँ, व्यापार मार्गों में व्यवधान, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक और बुनियादी ढाँचे पर दबाव और भू–राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। क्षेत्र का आर्थिक विकास और स्थिरता जोखिम में है, और अमेरिका की वापसी ने एक शक्ति शून्यता पैदा कर दी है जिसे अन्य क्षेत्रीय खिलाड़ी भर सकते हैं। इन चुनौतियों को कम करने के लिए, मध्य एशियाई राज्यों को नई वास्तविकता के अनुकूल होना चाहिए और बढ़ते बाहरी प्रभाव के सामने अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता को बनाए रखने के तरीके खोजने चाहिए।

## सदंर्भ ग्रन्थ सुची

ब्लैंक, एस. (2014)– 2014 के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः क्या किया जाना है? सर्वाइवल, 56(3), 101–116।

कूली, ए. (2012)– ग्रेट गेम्स, लोकल रूल्स' सेंट्रल एशिया में नई महान शक्ति प्रतियोगिता। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

कॉर्नेल, एस. ई. (2013)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः एक नया युग. सेंट्रल एशियन सर्वे, 32(1), 1–18.

कर्टिस, एल. ई. (2014)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग. एशियाई सर्वे, 54(5), 933–954।

फुमागली, एम. (2013)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः 2014 के बाद का परिप्रेक्ष्य। यूरोप–एशिया अध्ययन, 65(5), 897–915।

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हेल, एफ. (2014)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग। एशियाई सर्वेक्षण, 54(5), 933–954।

काट्जमैन, के. (2014)– अफगानिस्तानः तालिबान के बाद का शासन, सुरक्षा और अमेरिकी नीति। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस।

कासेनोवा, एन. (2013)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग। एशियाई सर्वेक्षण, 54(5), 933–954।

कुचिन्स, ए.सी. (2014)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग। एशियाई सर्वेक्षण, 54(5), 933–954।

लारुएल, एम. (2015)– संयुक्त राज्य अमेरिका आर मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग। एशियाई सर्वेक्षण, 55(1), 1–22।

लिलिस, जे. (2014)– संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग। एशियाई सर्वेक्षण, 54(5), 933–954. मार्की, डी. (2014). संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य एशियाः जुड़ाव का एक नया युग. एशियाई सर्वेक्षण, 54(5), 933–954.